॥ श्रीचण्डीध्वजस्तोत्रम् ॥

.. shrIchaNDIdhvajastotram ..

sanskritdocuments.org

July 29, 2016

Document Information

Text title : chaNDIdhvajastotra
File name : chaNDIdhvajastotra.itx
Location : doc_devii
Language : Sanskrit
Subject : philosophy/hinduism/religion
Transliterated by : Vivek Singh viveksview at gmail.com
Latest update : February 22, 2013
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

॥ श्रीचण्डीध्वजस्तोत्रम् ॥

अस्य श्री चण्डीध्वज स्त्रोत्र महामन्त्रस्य । मार्कण्डेय ऋशिः ।
अनुश्तुप् छन्दः । श्रीमहालक्ष्मीर्देवता । श्रां बीजम् । श्रीं शक्तिः ।
श्रूं कीलकम् । मम वाञ्छितार्थ फलसिद्ध्यर्थं विनियोगः ।
अङ्गन्यसः ।
श्रां श्रीं श्रुं श्रैं श्रौं श्रः इति कर हृदयादिन्यासौ ।
श्यानन् ।
ॐ श्रीं नमो जगत्प्रतिष्ठायै देव्यै भूत्यै नमो नमः ।
परमानन्दरूपायै नित्यायै सततं नमः ॥ १ ॥

नमस्तेऽस्तु महादेवि परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २ ॥

रक्षमां शरण्ये देवि धन-धान्य-प्रदायिनि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ३ ॥

नमस्तेऽस्तु महाकाली परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ४ ॥

नमस्तेऽस्तु महालक्ष्मी परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ५ ॥

महासरस्वती देवी परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ६ ॥

नमो ब्राह्मी नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ७ ॥

नमो महेश्वरी देवि परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ८ ॥

नमस्तेऽस्तु च कौमारी परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ९ ॥

नमस्ते वैष्णवी देवि परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १० ॥

नमस्तेऽस्तु च वाराही परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ११ ॥

नारसिंही नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १२ ॥

नमो नमस्ते इन्द्राणी परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १३ ॥

नमो नमस्ते चामुण्डे परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १४ ॥

नमो नमस्ते नन्दायै परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १५ ॥

रक्तदन्ते नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १६ ॥

नमस्तेऽस्तु महादुर्गे परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १७ ॥

शाकम्भरी नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १८ ॥

शिवदूति नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ १९ ॥

नमस्ते भ्रामरी देवि परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २० ॥

नमो नवग्रहरूपे परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २१ ॥

नवकूट महादेवि परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २२ ॥

स्वर्णपूर्णे नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २३ ॥

श्रीसुन्दरी नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २४ ॥

नमो भगवती देवि परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २५ ॥

दिव्ययोगिनी नमस्ते परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २६ ॥

नमस्तेऽस्तु महादेवि परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २७ ॥

नमो नमस्ते सावित्री परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २८ ॥

जयलक्ष्मी नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ २९ ॥

मोक्षलक्ष्मी नमस्तेऽस्तु परब्रह्मस्वरूपिणि ।
राज्यं देहि धनं देहि साम्राज्यं देहि मे सदा ॥ ३० ॥

चण्डीध्वजमिदं स्तोत्रं सर्वकामफलप्रदम् ।
राजते सर्वजन्तूनां वशीकरण साधनम् ॥ ३२ ॥

॥ श्रीचण्डीध्वज स्तोत्रम् ॥

.. shrIchaNDIdhvajastotram ..
was typeset on July 29, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*